भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-111
उत्तर देने की तारीख-22/07/2024

डिजाइन शिक्षा में बहुभाषी मूल्यांकन

†111. श्री ई. टी. मोहम्मद बशीर:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने डिजाइन शिक्षा में बहुभाषी मूल्यांकन शुरू करने के महत्व को मान्यता दी है; और
(ख) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) और (ख): राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा के हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने और भारतीय भाषाओं को जीवंत बनाए रखने के प्रयासों पर काफी बल दिया गया है। इन सिफारिशों के अनुरूप, तकनीकी पाठ्यक्रमों सहित सभी पाठ्यक्रमों के लिए भारतीय भाषाओं में अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने, जेईई, सीयूईटी और अन्य परीक्षाओं को भारतीय भाषाओं में आयोजित करने, छात्रों को भारतीय भाषाओं में पाठ्यक्रम पढ़ने का विकल्प प्रदान करने पर काम चल रहा है।

डिजाइन शिक्षा के संबंध में, डीपीआईआईटी से प्राप्त सूचना के अनुसार, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थानों (एनआईडी) में, मूल्यांकन विभिन्न तरीकों से किया जाता है: पाठ्यक्रम के संकाय द्वारा (निर्धारित मानदंडों के आधार पर पाठ्यक्रम मूल्यांकन) और प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में निर्णायक पैनल द्वारा। डिजाइन शिक्षा में, पूरे पाठ्यक्रम के अध्ययन के दौरान मौखिक फीडबैक की एक सतत प्रक्रिया होती है। यदि संकाय या पैनल को लगता है कि छात्र किसी विशेष भाषा में अधिक सहज है, तो यह फीडबैक अंग्रेजी/हिंदी या स्थानीय भाषा में दिया जा सकता है। छात्र की दक्षता के आधार पर, एनआईडी हिंदी में असाइनमेंट जमा करने की अनुमति देता है। उदाहरण के लिए, यह अनुमति शिल्प प्रलेखन या स्वदेशी प्रथाओं के प्रलेखन के लिए दी गई है। योजना तथा वास्तुकला विद्यालय (एसपीए) में उम्मीदवारों को हिंदी और अंग्रेजी में मौखिक प्रस्तुति देने, रिपोर्ट जमा करने और लिखित परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमति है।

******